

त्रिलिपि आकृत्य लिख
१८/०६/२००८ वाहु राहु
-पापालपि परिनामिकरी
लीराण्ड्र व्यडकु २) अंतर्गत

ବେଳେ କୁଳାଳ ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ
ଫିଲ୍‌ମିଶନ୍ ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ
ଡାଯର 11/3/05 ରାତିର ଏହାର 15ଟଙ୍କା

— विद्युतीय अधिकारक (वर्ष) (प्रति वर्ष)

ପ୍ରକାଶିତ ଗୁରୁତ୍ବପଦ୍ଧତିମୂଳ

ଏକାଶ ୩୫



(2)

न्यायालय पत्रगांधिकारी / असिस्टेन्ट कलेक्टर, प्रथम छोड़ी, सीतामुर।

पत्र संख्या : 4/

अन्तर्गत धारा 143 जूनि व्यापत्त्या अधिनियम
दाय : रस्तीचा पराना खेतावाद
पाठीसील सीतामुर चिला लीलापुर।

रक्षी कमीश मेमोरिएट एवं कोर्ट लोकायटी
दाय : धारा 143 जूनि व्यापत्त्या पुत्र द्वा. एस० एम० इच्छी

चलान

सरकार उम्मीद

आदेश

प्रार्थी एम० एम० जैदी पुत्र द्वा. एस० एम० रक्षी नियासी द्वा. लेखन रोड सीतामुर अध्यक्ष एकी कमीज मेमोरिएट एवं कोर्ट लोकायटी द्वाया ३०.५०.७० जूनि व्यापत्त्या अधिनियम की धारा 143 के अनुर्मा। इस आदेश का प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है कि गाड़ा सं० पर प्रार्थी ४७८ मि रक्षा ३.०० एकड़. वा. ४७९ मि रक्षा १३६ एकड़ रिखत धान रस्तीचा पर कमी कार्य नहीं किया जाता है। इस भूमि पर पिंडात्त्या बना हुआ है वहा इस भूमि पर ५० कम्बरे बने हुए हैं। भूमि के अधिकारी चूपि पर बड़ी के लिए खेत बदल के पास किया जा चुकी है। अतः इस भूमि को कमी प्रयोजन से हटाकर अकृषिक बोरोग किया जाय।

प्रार्थना-पत्र प्राप्त होने पर लाहसीलदार सीतामुर से जीव आदेश मेंगई गयी। आदेश प्राप्त होने के बाद याद दर्ज रिटेन्टर किया गया तथा नोटिस जारी की गयी को याद लाहसील लेखन रक्षायटी है। लाहसीलदार सीतामुर द्वाया प्रेक्षित किया लेत्यापन का आदेश में कहा गया है कि भूमि गाड़ा सं० ४७८मि/ ३.२०एकड़. ४७८मि/ ०.८०एकड़. ४७८मि/ २.८० एकड़. ४७९मि/ १.२०एकड़. ४७९मि/ १३६ एकड़ रिखत धान रस्तीचा पर कमी प्रयोजन, मरुद्य वालम वा बुक्सूट पालन नहीं किया जाता है। भूमि पर विद्यालय

में पक्षावली पर उपलब्ध प्रार्थना-पत्र, दाय पत्र, प्रतिलिपि खतीनी द्वा. १४०७-१४१२फतली वावत गाड़ा सं० ४७८मि/ ८.०० एकड़ दर्ज आदेश एवं प्रालय धारा 143 नियम १३५/ १३८ का भली भौति अवलोकन किया हितसे स्पष्ट है कि प्रस्तुत प्रार्थी / बावेदक को नाम संकरणीय भूमियट वी. स्पष्ट में दर्ज है। जौके पर उस भूमि पर पिंडात्त्या बना है। कमी कार्य नहीं होता है। जौके लेखन दायले की अनुसार भूमि पर बोरोग की भूमि है। जौके पर कार्य हितावद नहीं है। विद्यालय बना है। किया वास्तवीय अधिकारी का ना घिकिया राय प्राप्त हो गयी। उनके द्वाया नी नुमि को जाक्रीक घोषित करने की राय ही गयी है। राय रहतान बत्रायी है। एस० द्वा. में उक्त भूमि को जाक्रीक घोषित किये जाने से कोई विविक वाया अवैत नहीं होते हैं। एकी भूमि को नु-उपयोग एकानिका उप ते

— ३ —

(3)

परिवर्तन ज० दि० एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम के प्राधिकारों के अनुर्गत किया जा रहा है।
 जैसा कि महानगरीयक नियन्त्रण के द्वारा सं० ९३७ / दि० का० लखनऊ / ०३ दिनांक ०२.०५.
 २००३ से उम में यारी परिवर्तनादेश सं० ९१६४ / ५-५९ प० / ०३ दिनांक २५ जनवरी २००४
 हाँ मी भू उपयोग का परिवर्तन तदनुसारे एवं अनियंत्रितों में इर्हान एवं बास्तविक
 विधियों को दर्शाने के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये हैं। तदनुसार प्रलग्नत भूमि अधिनियम
 घोषित किये जाने गये हैं।

इह राहसीलदार सीतापुर द्वारा प्रेषित किया गया तथा आज्ञा तो राहसील होने
 हुए एवं द्वारा निम्नलिखित भूमि अधिनियम प्रोप्रिटी की जाती है। तदनुसार यू-वर्जन अनियंत्रितों में इन्द्राज किया जाये।

क्र म सं ०	ग्राम का नाम	भूमिकर का नाम व पला	ता ता सं०	माटा सं०	रक्कड़ा	मालगु जारी	अधिक माटा सं० सेप्रफल	अधिक मालगु जारी करने का प्रयोजन	मालगु जारी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	रस्योरा	रस्योरा जनीज नगोरियल राजुबेंग चोतायटी झारा अव्याह एम० एम० जीदी पुत्र ल्ह० एर० एर० रकी नियासी ६४ रुद्रेशन रोड सीतापुर	७२	४७८ मि	७.३०। ३		४७८मि / ८.०० एकाड ४७९ / ३८ एकाड	अधिक करने का प्रयोजन करने का प्रयोजन	
			१२	४७९		१.६७६ ३			

आवश्यक कार्यालय के संबरान्त प्रकाराली घाँटिल दफ्तर यी जाये।

दिनांक : १३/८/०५

(देवेन्द्र चुनार पाण्डे) १३/८/०५
परगनाधिकारी / टक्का० कलेश्वर, प्रथम नं०
सीतापुर।

प्रतिलिपि सम्मिलित राहसील सीतापुर को आवश्यक कार्यालयी हेतु प्रेषित।

(देवेन्द्र चुनार पाण्डे) १३/८/०५
परगनाधिकारी / टक्का० कलेश्वर, प्रथम नं०
सीतापुर।

2363
Date of Application १३/८/०५
Date issued १३/८/०५
A. Name of Proprietor
B. Value of Plot ११.३० एकड़ी
C. No. of Roads ११.३० एकड़ी
D. Date of Delivery

Prepared by
D-Stampred by
E-Signed by
F-Announced by

कृच्छ्री अतिनियमि

घण्ठी वायार (वायार)
दृष्टिकृद्द-हील० १३
दि० ३।।।०८/०५

३।।०-१३ (एकाड़ी - नृपते० २०१५)